

रजिस्ट्रेशन नं० एल०-३३/एम० एम०/१३-१४/९४



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, १ अक्टूबर, १९९४/९ आश्विन, १९१६

हिमाचल प्रदेश सरकार

कर्मिक विभाग

(सचिवालय प्रशासन सेवाएं-१)

अधिसूचना

शिमला-२, ८ सितम्बर, १९९४

संख्या कर्मिक (सचि० प्रशा०-१) ए (३)-३/८५.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श

से, कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के पद के लिए, इस अधिसूचना से संलग्न उपावन्ध "अ" के अनुसार भर्ती एवं प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोन्नति नियम, 1994 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. निरसन और व्यावृत्ति.—(1) इस सरकार की अधिसूचना संख्या 12-3/70-एस0 ए0 एस0 तारीख 29 नवम्बर, 1974 द्वारा अधिसूचित कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन) लाईब्ररियन वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम एनद्द्वारा निरसित किए जाते हैं।

(2) परन्तु ऐसे निरसन से पूर्व उप-नियम (1) के अधीन निरसित सुसंगत नियमों के अधीन का किसी नियुक्ति या वात या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विधिवान्तरूप से की गई भवसी जायेगी।

उपावन्ध "अ"

हिमाचल प्रदेश सचिवालय के कार्मिक विभाग (सचिवालय) में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष वर्ग-II (राजपत्रित) पद के लिए भर्ती और प्रोन्नति नियम

1. पद का नाम	मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष
2. पदों की संख्या	1 (एक)
3. वर्गीकरण	वर्ग-II (राजपत्रित)
4. वेतनमान	रूपये 2200-70-2550-75-3000-100-4000 जमा 200/- विशेष वेतन।
5. चयन पद अथवा अचयन पद	चयन
6. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु।	18 से 35 वर्ष :

परन्तु सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त सहित पहले ही सरकार की सेवा में अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिकतम हो गया हो तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में गणनीकरण के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए अधिकतम आयु में उतना ही शिथिलीकरण किया जा सकेगा जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के माधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और कि पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों, स्वायत्त निकायों के आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारी-वृन्द को नहीं दी जाएगी जो पश्चात्पूर्वी ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे, किए गए हैं और उन पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे ।

(2) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उम्र वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी, जिसमें आवेदन आमन्त्रित करने के लिए यथास्थिति, पद विशिष्टित या नियोजनालयों को अधिसूचित किए जाते हैं ।

(3) अन्यथा सुग्रहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा ।

7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं ।

(क) अनिवार्य :

स्नातक की उपाधि (डिग्री) या इसके समरूप मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री प्राप्त की हो और मान्यता प्राप्त संस्था/विश्व-विद्यालय से पुस्तकालय विज्ञान में डिग्री प्राप्त की हो ।

(ख) वांछनीय अर्हताएं :

हिमाचल प्रदेश की रूढ़ियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विलक्षण दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता ।

8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षणिक

आयु .. लागू नहीं  
शैक्षणिक अर्हताएं .. जैसा कि हालम-11 में

अज्ञेताय प्रान्ति की वधा में लागू  
होगी या नहीं।

दयावी गयी है।

9. परिवार को प्रविष्टि यदि कोई हो

की वधा जितना एक वध से प्रत्येक पक्षा और  
अविधि को लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा  
सदस्य प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों और  
लिखित कारणों से आदेश दे।

10. भती की प्रवृत्ति—भावी होगी या  
प्रान्ति, प्रतिनिधित्व या स्थानान्तरण द्वारा और  
विभिन्न प्रवृत्तियों द्वारा भरी जान वाली  
स्थिति की प्रतिफलता।

अतः प्रोत्तान प्रान्ति द्वारा ऐसा न होने की अवस्था में  
गोधी भती द्वारा।

11. प्रान्ति, प्रातिनिधित्व या स्थानान्तरण की वधा  
से श्रेष्ठता जितना प्रान्ति, प्रतिनिधित्व या  
स्थानान्तरण किया जाएगा।

काल 1500-2040 बैतनमान में कार्यरत पुस्तकान-  
लयाध्यक्षों में से प्रान्ति द्वारा, जो किसी मान्यता प्राप्त  
विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि इसके समतुल्य  
उपाधि रखते हैं और जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त  
संस्थान/विश्वविद्यालय से पुस्तकालय विज्ञान में उपाधि/  
डिप्लोमा सहित इस रूप में कम से कम 10 वर्षों की नियमित  
सेवा या 31-3-1981 तक की गई लगातार तदर्थ  
सेवा/याद कोई हो, को सम्मिलित करके नियमित सेवा ही,  
ऐसा न होने पर साधी भती द्वारा।

(i) प्रान्ति के सभी मामलों में पद पर नियमित  
नियुक्ति से पूर्व सभी पद में 31-3-1981 तक  
की गई तदर्थ सेवा याद कोई हो, प्रान्ति के लिये इन  
नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिये निम्नलिखित  
भती के अधीन न रहत हुए, गणना में ली जाएगी।

(ii) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण  
पद में अपने कुल-सेवाकाल (31-3-1981 तक की गई  
तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर समतुल्य  
निविष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पालन हो  
जाता है, वही उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये  
जाने के लिए पालन समझें जाएँ और विचार करते समय  
कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएँगे।

परन्तु इन सभी पदधारियों को जिन पर प्रान्ति के लिए  
विचार किया जाता है वे कम से कम तीन वर्ष न्यूनतम अज्ञेता  
सेवा या पद के भती एवं पदान्ति नियमों के विहित जो भी  
कम होगी।

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पदधारियों परन्तु  
की अज्ञेताओं के कारण प्रान्ति किए जाने सम्बन्धी विचार

क लिये अपना ही जाता है, वहा उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी  
गरी प्रोत्तति के विचार के लिए अपना समझा जाएगा ।

स्थापनाकरण— अन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पद्धारी प्रान्ति के  
लिए अपना नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपना व्यक्ति अनुपूर्व  
सीतक है, जिसे हिमाचल प्रदेश आर्म्ड फोर्सि परागत  
(रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नात-टैक्नीकल  
सर्विसिज) रूज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के  
अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत  
वर्ग्यता लाभ दिए गए हो या जिसे ऐक्स सर्विसिमें (रिजर्वेशन  
आफ वेकेंसीज इन दो हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज)  
रूज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया  
हो व इसके अन्तर्गत वर्गीयता लाभ दिए गए हों ।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐम पद पर  
निर्धारित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक की गई तदर्थ सेवाएं,  
भी कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु 31-3-1991 तक तदर्थ सेवा की गणना में लेने के  
पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक  
वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

12. यदि विभागीय प्रोत्तति समिति विचारात हो  
ता तदर्थी संरक्षणा ।

विभागीय प्रोत्तति समिति को अध्याता हिमाचल प्रदेश  
लाभ सेवा आयोग के अध्यक्ष या उन द्वारा नाम निर्दिष्ट  
उसके सदस्य द्वारा को जायेगी ।

13. भर्ती करने में जिस पारस्परिकता या हिमाचल  
प्रदेश सरकार द्वारा आयोग से परामर्श किया  
जाएगा ।

नैपा त्तविधि द्वारा प्रोत्तित होगा ।

14. साधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के  
लिए संरक्षा ।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का निम्न-  
लिखित आवश्यक होता चाहिए :—

(क) भारत का नागरिक या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा या

(घ) निम्नलिखित शरणाधीन जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व  
भारत में स्थायी निवास के आशय से आया हो,  
या

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकि-  
स्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों या  
कोतिया, मंगोला, दूनार्डीट 8 रिपब्लिक आफ  
तन्जानिया (पहले तांगानिका और जर्जीबार)  
आम्बिया, मालवा, जेयरे तथा ईथोपिया से भारत  
में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया हो:

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया हो।

ऐसे अभ्यर्थी को जिनके मामलों में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर और यदि यथास्थिति हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती/प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/साक्षात्कार में प्रविष्ट किया जा सकेगा किन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

#### 15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले के पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर और यदि यथास्थिति हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे/लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथास्थिति आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

#### 16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिये आरक्षण की बाबत जारी किये गये आदेशों के अधीन होगी।

#### 17. विभागीय परीक्षा

(1) सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी, अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :—

- (1) आगामी देय दक्षतारोधक पार करने के लिए;
- (2) परीक्षा अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थायीकरण के लिए; और
- (3) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से, जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व, किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए उन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, उससे उन नियमों के

अधीन बिहित विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा बिहित नहीं की गई थी और जिसने 11 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उससे 50 वर्ष की आयु के पश्चात निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :—

- (1) आगामी देय बख्ता रोधक पार करने के लिए,
- (2) परीवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात स्थाईकरण के लिए,
- (3) किसी अधिकारी से अपने प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है।
- (4) सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अभिलिखित करके, विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या भागतः छूट अंजूर कर सकेगी परन्तु यह बव कि ऐसे अधिकारी पर उसकी अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने की ता रोख से पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना सम्भाव्य नहीं हो।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहाँ राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है या समीचीन है, तो यह कारणों को अभिलिखित करके और लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों में या इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्ति के प्रवर्ग या पदों की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Government notification No. PER (SAS-I) (3)/3/85 dated 8.9.1994 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

# PERSONNEL DEPARTMENT

## Secretariat Administration Services-I

### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 8th September, 1994

No. PER (SAS-I) (3)/3/85-I. In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Chief Librarian Class-II (Gazetted) in the Department of Personnel (Secretariat Administration), Himachal Pradesh as per Annexure 'A' attached to this notification, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Chief Librarian (Class-II Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Himachal Pradesh Rajpatra.

2. **Repeal and saving.**—(1) The Recruitment and Promotion Rules for the post of Librarian (Class-II Gazetted) in the Department of Personnel (Secretariat Administration Services) notified vide this Government notification No. 12-3/70-SAS, dated the 29th November, 1974 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or action taken under the relevant rules so repealed under sub rule (1) *supra*, shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

### ANNEXURE 'A'

## RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF CHIEF LIBRARIAN CLASS-II GAZETTED IN THE HIMACHAL PRADESH SECRETARIAT ADMINISTRATION DEPARTMENT OF PERSONNEL

1. Name of the post: Chief Librarian

2. Number of posts: 1 (One)

3. Classification: Class-II (Gazetted)

4. Scale of pay: Rs. 2200-70-2550-75-3000 - 100 - 4000 plus Rs. 200/- Special pay.

5. Whether selection post or non-selection post: Selection

6. Age for direct recruitment:

(1) Between 18 to 35 years. Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis;



Provided further that a candidate, appointed on *ad hoc* basis had become overage on the date when he was appointed as such, he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment:

Provided further that, upper age limit is relaxable for Scheduled Caste/Scheduled Tribes/Other Categories of persons to the extent permissible under the general or special orders of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the public sector corporations and autonomous bodies who happened to be Government servants before absorption in the public sector corporations/autonomous bodies at the time of initial constitution of such corporations/autonomous bodies, shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to the Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the public sector corporations/autonomous bodies who were/are subsequently appointed by such corporation/autonomous bodies and are/were finally absorbed in the service of the public sector corporations/autonomous bodies.

2. Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges or as the case may be.

3. Age and experience in the case of direct recruitment are relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission in case of the candidate is otherwise well qualified.

7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits.

Essential :

Bachelor's degree or its equivalent from a recognised University with Degree in Library Science from a recognised Institution/University.

Desirable :

Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotees.

Age, No.

E. Q. As mentioned against Column No. 11.

## 9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

## 10. Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion tailing which by direct recruitment.

## 11. In case of rectt. by promotion, deputation, transfer/grade from which promotion/deputation/transfer is to be made.

"By promotion from amongst the Librarian in the pay scale of Rs. 1500—2640 possessing bachelors degree or its equivalent from a recognised University and Degree/Diploma in Library Science from a recognised Institution/University with at least 9 years regular service or regular service combined with continuous *ad hoc* rendered upto 31-3-1991 (if any) service, as such, failing which by direct recruitment.

(1) In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-91 if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in those rules for promotion subject to the condition:—

(1) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons, senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the require-

ments of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal Pradesh State Non-Technical Service) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (2) Similarly, in all cases of confirmation *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991, shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?

D.P.C. to be presided over by the Chairman Himachal Pradesh Public Service Commission or a member thereof to be nominated by him.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

As required under the Law

14. Essential requirement for direct recruitment.

A candidate for appointment to any Service or post must be :

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who crossed over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India:
- (e) A person of Indian Origin, who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda,

the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Janjibar), Jambia, Malawi Zaire and Ethopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the H. P. Public Service Commission or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment, shall be made on the basis of *viva voce* test, if Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, so considers necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus of which will be determined by the Commission/other recruiting authority, as the case may be.

16. Reservation

The appointment to the services shall be subject to order regarding reservation in the services for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes/Backward Classes and other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(1) Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976, as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to:—

- (i) cross the efficiency bar next due;
- (ii) confirmation in the service even after completion of probationary period ; and
- (iii) promotion to the next higher post :

Provided that an officer who has qualified the departmental examination in whole or in part prescribed under any rules before the

notification of these rules, shall not be required to qualify the whole or in part of the examination as the case may be :

Provided further that an Officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these rules:

Provided further that an Officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has not attained the age of 45 years on 1-3-1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purposes of (i) Crossing of Efficiency Bar next due and (ii) Confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An Officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may in consultation with the H. P. Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance, with the Departmental Examination Rules to any Class or category of persons from the Departmental Examination in whole or in part provided that such Officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

#### 18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission relax

any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.